

(c) whether Government will suggest ways and means as to how best the technical knowhow and capacity indigenously available will be fully utilised?

**The Minister of Industrial Development and Company Affairs (Shri F. A. Ahmed):** (a) and (b). No proposal in this regard has been received from the Chemical Plant and Machinery Association of India.

(c) It is Government's policy to encourage the use of indigenous technical expertise and consultancy services to the fullest extent possible.

#### Industrial Development in Madhya Pradesh

5793. **Shri Manibhai J. Patel:** Will the Minister of Industrial Development and Company Affairs be pleased to state:

(a) the total amount of loan granted to Madhya Pradesh by the Central Government for industrial Development during the Third Five Year Plan;

(b) the names of the industries to which the said loan was granted;

(c) the amount proposed to be granted for the purpose to Madhya Pradesh during the Fourth Five Year Plan; and

(d) the details thereof indicating the amount granted during 1966-67?

**The Minister of Industrial Development and Company Affairs (Shri F. A. Ahmed):** (a) to (d). The information is being collected and will be laid on the Table of the House in due course.

#### Geological Survey of Madhya Pradesh

5794. **Shri Manibhai J. Patel:** Will the Minister of Steel, Mines and Metals be pleased to state:

(a) whether the geological survey of Madhya Pradesh has been conducted by the Geological Survey of India;

(b) if so, when and the areas covered thereby; and

(c) the result of the survey?

**The Minister of Steel, Mines and Metals (Dr. Chenna Reddy):** (a) and (b). The Geological Survey of India has been conducting almost every year, since its inception, geological mapping and preliminary mineral surveys in most areas of the State. Reconnaissance surveys of the State are now practically complete and mapping on 1:63,360 and smaller scales on modern maps are now in progress. Detailed investigations by large scale mapping, geophysical surveys and drilling have also been carried out for minerals like iron ores, coal, base metals and bauxite. During the Second, Third and the current Plan periods, a total of over 40,000 sq. km. was mapped on 1:63,360 and smaller scales in different parts of the State. Large scale mapping of about 12,700 sq. km. was also conducted for coal, base metals, etc.

(c) Workable deposits of coal, manganese ore, iron ore, bauxite, corundum, sillimanite, cement and flux grade limestone, dolomite, diamond, talc, fluorite and ochres have been recorded. The details of reserves of the mine found in various parts of the State given in the Appendix laid on the Table of the House. [Placed in Library. See No. LT-1057/67.]

मिराज-कोल्हापुर मीटर गेज लाइन को बढ़ी लाइन में बदलना

5795. श्रीमती विजयमाला छत्रपति:  
श्री मधु लिमये :

क्या रेलवे मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या उनके मंत्रालय ने मिराज-कोल्हापुर मीटर गेज लाइन (दक्षिण रेलवे) को बढ़ी रेलवे लाइन में बदलने तथा इस योजना को चौथी पंचवर्षीय योजना में शामिल करने के प्रश्न पर पुनर्विचार किया है ;

(ख) क्या सरकार का ध्यान इस बात की ओर दिलाया गया है कि यदि इस लाइन को बड़ी लाइन में परिवर्तित नहीं किया जाता है तो इससे माल ढोने की बड़ी समस्या पैदा हो जायेगी और याइंड का विस्तार करने पर काफी धन खर्च करना पड़ेगा; और

(ग) यदि हां, तो इसके बारे में क्या निर्णय किया गया है?

**रेलवे मंत्री (श्री चे० मु० पुनाचा) :**

(क) से (ग). मिरज-कोल्हापुर खण्ड को मीटर लाइन से बड़ी लाइन में बदलने और साथ ही मिरज में यानान्तरण सुविधाओं की व्यवस्था करने के बारे में विचार किया जा रहा है। इस परियोजना को चौथी योजना में शामिल करने के सम्बन्ध में शीघ्र ही निर्णय किया जायेगा, जो यातायात की आवश्यकताओं और धन की उपलब्धता पर निर्भर करेगा।

**उत्तर प्रदेश में स्थापित किये जाने वाले उद्योग**

5796. श्री सरजू पाण्डेय : क्या औद्योगिक विकास तथा समवाय-कार्य मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) 1967-68 में उत्तर प्रदेश में कितने तथा कौन कौन से उद्योग स्थापित करने का विचार है; और

(ख) उक्त अवधि में इस काम के लिये उत्तर प्रदेश को कितनी वित्तीय सहायता देने का विचार है?

**औद्योगिक विकास तथा समवाय-कार्य मंत्री (श्री फखरुद्दीन अली अहमद) :**  
(क) तथा (ख). जानकारी इक्की की जा रही है और वह सभा-मटल पर रख दी जायेगी।

**उत्तर प्रदेश में छोटे पैमाने के उद्योग**

5797. श्री सरजू पाण्डेय : क्या औद्योगिक विकास तथा समवाय-कार्य मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या उत्तर प्रदेश को 1967-68 में छोटे पैमाने के उद्योगों के विकास के लिये कोई ऋण अथवा अनुदान दिया गया है; और

(ख) यदि हां, तो उसका व्यौरा क्या है?

**औद्योगिक विकास तथा समवाय-कार्य मंत्री (श्री फखरुद्दीन अली अहमद) :** (क) तथा (ख). वर्तमान प्रणाली के अनुसार योजना में स्वीकृत लघु उद्योगों के विकास के लिए किए गए व्यय के लिए केन्द्रीय सरकार का राज्य सरकारों को ऋण तथा अनुदान वित्तीय वर्ष के अन्त में दिया जाता है और इसका आधार राज्य सरकारों द्वारा प्रस्तुत खर्च का वार्षिक विवरण होता है। राज्य सरकारें इन योजनाओं पर व्यय अर्पणपाय ऋण में से करती हैं जो कि केन्द्रीय वित्त मंत्रालय उनको प्रदान करता है और केन्द्रीय सरकार द्वारा दी गई सहायता इसी में समायोजित कर दी जाती है।

**Setting up of a Cotton Mill at Mau, Azamgarh District**

5798. Shri Sarjoo Pandey: Will the Minister of Commerce be pleased to state:

(a) whether the Uttar Pradesh Government have approached the Central Government for financial aid with a view to set up a cotton mill at Mau, Azamgarh District; and

(b) if so, the reaction of Government thereto?

**The Deputy Minister in the Ministry of Commerce (Shri Shafi Qureshi) :** (a) and (b). The information is being collected and will be laid on the Table of the House in due course.